

Pferd). सु० MBh. 4, 29. R. 1, 22, 25. RĪĀ-TAR. 3, 199. — 2) n. das Unterrichten, Lehren: अर्थः क्रियाभ्यवता (subj.) शिक्षितेन स्तब्धप्रमतस्य (obj.) BuĀg. P. 5, 10, 14.

— अनु lernen, erlernen, mit acc. der Sache und gen. oder abl. der Person; med. BuĀg. P. 5, 4, 8. act. 4, 11, 12. 8, 1, 22. 11, 7, 35. fg. अनुशिक्षितं gelernt, erlernt UTTARAR. 48, 17 (63, 2). BuĀg. P. 6, 7, 24. 8, 3, 1. गुर्वनुशिक्षितं vom Lehrer 7, 8, 1. Vgl. अनुशिक्षिन्. — caus. belehren MBh. 1, 5761 (°शिक्ष्य). BuĀg. P. 10, 64, 31. Jmd (gen.) Etwas (acc.) lehren 5, 6, 6.

— अभि caus. Etwas (acc.) lehren MBh. 1, 8033. mit doppeltem acc. HARIV. 4910.

— आशिक्षिता. आशिक्षित Kām.NIR. 11, 30 fehlerhaft für अशिक्षित.

— उप 1) versuchen, unternehmen: पुनः पुनः प्रतीसारमुपशिक्षितैव ÇĀṆKH. Br. 23, 5. — 2) lernen, erlernen, erforschen: शेषं कृत्वा उपशिक्षितं MBh. 13, 7358. उपशिक्षितं नृणां 3, 1790. उपशिक्षिताम् ते वृत्तं सदैव न च शकुमः 12, 483. समाधिना उपशिक्षितो ब्रह्मलोकं सनातनम् 13, 4418. इतिकृत्यमुपशिक्षितं erforsche, erfahre BuĀg. P. 3, 23, 11. उपशिक्ष्य 5, 6, 10. उपशिक्षितुम् MBh. 12, 9706. एवं मया त्वाण्युपशिक्षितानि शक्रात् erlernt von 3, 11914. स्वात्मोपशिक्षितं durch sich selbst BuĀg. P. 11, 9, 24. — 3) med. lehren, mit acc. der Sache und gen. der Person BuĀg. P. 5, 3, 28. — Vgl. उपशिक्षिता. — caus. belehren, mit acc. der Person BuĀg. P. 5, 4, 18. lehren, mit acc. der Sache und gen. der Person 13. उपशिक्षितं belehrt: पित्रा 9, 16, 1. gelehrt, mitgeteilt (eine Kenntniss): गुरुभिरात्मने 7, 3, 53. सङ्गपशिक्षितं gelehrt von 5, 3, 3. वार्त्तेयेन भवेन्नूनं विद्या सेवापशिक्षिता MBh. 3, 2887.

— सम् caus. lehren, mit doppeltem acc. BuĀg. P. 5, 9, 4. Verz. d. Oxf. H. 140, a, No. 280.

2. शिक्ष् (desid. von 2. शक्), शिक्षति (auch med.) 1) act. helfen wollen, helfen: शिक्षा शचीवस्तव नः शचीभिः RV. 4, 62, 12. 8, 2, 15. यज्ञाय शिक्ष गृणते सखिभ्यः 3, 30, 15. 6, 20, 10. 27, 5, 31, 4. 7, 32, 26. 83, 8. युगाय विप्र उर्पराय शिक्षन् 87, 4. यस्तं आदित्य शिक्षति वृतेन sich gefällig erweisen 3, 39, 2. — 2) act. mittheilen wollen, schenken: वस्वः RV. 1, 27, 5. यस्तुभ्यं दाशायो वा ते शिक्षात् 68, 6. 81, 2. आ भरत शिक्षतम् 109, 7. ऋणोः 112, 19. 7, 27, 2. 32, 19. 8, 14, 2. यज्ञम् AV. 6, 114, 2. 3. 122, 2. यस्मै त्वं दानाय शिक्षसि VĀLAKH. 3, b. — 3) act. Jmd (acc.) beschenken wollen mit (instr.): स देवायि शिक्षितं राज्येन Nir. 2, 10. ÇĀṆKH. Br. 30, 6. — 4) Jmd (acc.) seine Dienste anbieten, in Jmdes Dienst treten: शिक्षस्त्वेन नमस्त्वेनम् MBh. 3, 1200.

— आ Etwas (gen.) mittheilen: रायः RV. 8, 81, 9. beschenken wollen mit (instr.): यज्ञैः TBr. 2, 4, 4, 9.

— उप 1) an sich ziehen, anlocken, einladen: देखे न (statt देखेन) गामुप शिक्षा सखायम् RV. 10, 42, 2. 98, 17. इन्द्रं धीतिभिः 3, 52, 6. 1, 173, 10. देवानामसा 5, 40, 8. उप शिक्षापत्स्युषः 9, 19, 6. येना संगच्छा उप मा स शिक्षात् AV. 7, 12, 1. 11, 8, 17. TBr. 2, 3, 2, 2 (= स्वीकार Comm.). PAṆ-KAV. Br. 10, 12, 2. 14, 2, 3. 5. — 2) med. Jmd (acc.) seine Dienste anbieten, in Jmdes Dienste treten, sich Jmd zur Verfügung stellen MBh. 12, 1355. 14, 257. 13, 369. °शिक्षितुम् 14, 149. अग्निं (so ed. Bomb.) दीप्तमिवासी देहाज्ञानमुपशिक्षितः (mit act. Bed.) 12, 3082.

— प्रति anlocken, einladen: नरैः प्रतिशिक्षित्यनैः RV. 10, 29, 5.

— वि etwa vertheilen: सखे वि शिक्षे RV. 4, 33, 3. — Vgl. विशिक्ष्.

1. शिक्षक (von शिक्षा) adj. ein Kenner der Çikshā gaṇa क्रमादि zu P. 4, 2, 61.

2. शिक्षक (vom caus. von 1. शिक्ष्) nom. ag. Lehrer MĀLAV. 13. हस्ति° Abrichter von Elephanten MBh. 8, 1768.

शिक्षण (wie eben) n. das Belehren, Unterweisen: युद्धमार्गे Kām.NIR. 13, 41. मर्त्य° BuĀg. P. 5, 19, 5.

शिक्षणीय (wie eben) adj. zu lehren, zu unterweisen; mit dem acc. der Sache: पद्मवती चैतच्छिक्षणीया तया KATHĀS. 31, 92.

शिक्षा (von 1. शिक्ष्) f. gaṇa कृत्वादि zu P. 4, 4, 62. 1) Kenntniss, Kunst, Fertigkeit, Geschicklichkeit BuĀg. P. 2, 7, 46. न दर्शयेयुः स्वा शिक्षाम् MBh. 1, 5314. असिपुद्गे u. s. w. 5520. नानाशिक्षासु बोधिताः 4356. 3, 12585. HARIV. 7307. 12134. शिक्षया kunstgerecht 3096. 3111. 3624. 6869. R. 6, 76, 40. instr. pl. dass. MBh. 6, 1765. स्नानशिक्षा (so ed. Bomb.) R. 2, 63, 8. श्रूय च नमः प्रणिपातशिक्षया RAGH. 3, 25. 9, 63. अथ° die Kunst mit Pferden umzugehen MBh. 4, 63. गत° 1, 4355. नाग° 3, 5209. ह्य° 14, 2319. हस्ति° MĀKĀ. 1, 15. क्रम° MBh. 1, 2885. न्याय° 67. Spr. (II) 5813. — 2) Unterricht, Unterweisung, Vorschrift, Lehre; = क्रिया AK. 3, 4, 24, 158. = उपदेशः SĀH. D. 503. — ÇĀṆKH. Br. 12, 6. TAITT. UP. S. 42. यस्य शिक्षामुपासते MBh. 8, 327. शिक्षार्थम् MBh. 13, 4991 (nach der Lesart der ed. Bomb., fehlerhaft शिक्षार्थम् ed. Calc.). R. 4, 34, 7. RĪĀ-TAR. 2, 118. BuĀg. P. 4, 22, 59. °दण्ड eine als Lehre dienende Strafe 26, 21. 7, 5, 53. SARVADARÇANAS. 33, 8. ललिताभिनयस्य MĀLAV. 67. बोधायना गणशर्माणं शिक्षारम्भकारयत् KATHĀS. 49, 47. हृदये कुशलेर्विनिवेशिता । शिक्षा Spr. (II.) 2802. योगधारायणाप्राप्तशिक्षा adj. KATHĀS. 33, 12. दत्तशिक्षा (adj.) वासवदत्तया 19. दत्तकर्तव्यशिक्षा adj. 61, 194. इत्यादिशिक्षा दत्त्वा Z. d. d. m. G. 14, 371, 15. राव्यारम्भे णुयुक्तेन भीमादेवेन धीमता । उक्ते शुभावहे शिक्षे द्वे स मन्त्रवदस्मरत् ॥ RĪĀ-TAR. 8, 45. यच्छिक्षया durch deren Unterweisung Spr. (II) 4676. BuĀg. P. 1, 3, 36. — 3) die Lehre von den grammatischen Elementen, eine Hilfswissenschaft zum Veda und Titel besonderer Schriften, Einleitung zu Nir. S. XVI. TS. PAṬ. S. 433. AK. 1, 1, 5, 4. H. 250. VS. PAṬ. 1, 29. MUṆD. UP. 1, 1, 5. gaṇa क्रमादि zu P. 4, 2, 61. ऋग्यनादि zu 3, 73. Ind. St. 1, 13. 16. 2, 211. fg. 3, 260. fg. 4, 118. 123. 345. fg. 8, 192. 10, 433. HARIV. 1049. 1304. VP. 284. Comm. zu TS. PAṬ. 1, 1 u. s. w. LALIT. ed. Calc. 179, 4. Verz. d. B. H. 376. fg. Verz. d. Oxf. H. 386, a, No. 302. fg. °मूत्र 169, a, 14. — 4) Bignonia indica ÇĀBDA. im ÇKDK. — Vgl. मनः, रणः, रथः, वर्णः, शस्त्रः, शैल.

शिक्षाकार m. Verfasser einer Çikshā Comm. zu TS. PAṬ. 1, 1. 21, 15. शिक्षाकर Bez. Vjāsa's ÇĀBDA. im ÇKDK.

शिक्षातर (शिक्षा + अ°) 1) n. ein nach den Vorschriften der Çikshā richtig ausgesprochener Laut: मन्त्रैः °समन्वितैः R. 1, 13, 8 (18 GORR.). °समायुक्त R. GORR. 2, 100, 19. — 2) adj. richtig ausgesprochen nach den Vorschriften der Çikshā: °मन्त्रविद् MBh. 3, 904. — Vgl. शिक्षास्वर.

शिक्षाचार (शिक्षा + आ°) adj. kunstgerecht —, der Vorschrift gemäß sich betragend: भिक्षु RĪĀ-TAR. 3, 12.

शिक्षानर adj. wohl Männern helfend oder mittheilend: Indra RV. 1, 53, 2. 4, 20, 8.

शिक्षापत्र n. Titel einer Schrift HALL 131.